CNews सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-01
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
सफलता की राह में ठोकरें खाना ज़रूरी है, क्योंकि ठोकर खाकर ही इंसान मजबूत बनता है।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

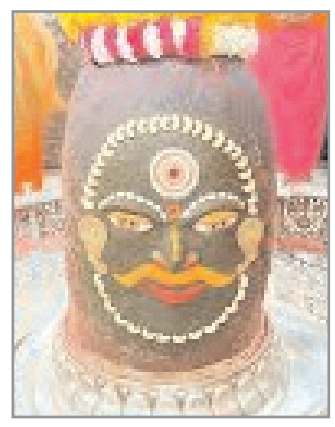

बिहार, रविवार, 06 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सुधार की दिशा में सही कदम

वक्फ बिल पर बिहार के रायपाल आरिफ मोहम्मद खान का ताजा बयान

पटना, बिहार के रायपाल आरिफ मोहम्मद खान ने वक्फ संशोधन बिल पर ताजा बयान में कहा कि वक्फ बोर्ड में सुधार की काफी जरूरत थी और वक्फ संशोधन बिल संसद से पास होने के बाद नए कानून का रूप लेने जा रहा है, यह सुधार की दिशा में सही कदम है। उन्होंने मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि पटना में भी कई वक्फ प्रॉपर्टी है लेकिन इसके जरिए कितने अस्पताल और स्कूल या अनाथालय बनवाए गए, जरा नाम बता दीजिए? आरिफ मोहम्मद

खान ने कुरान की आयतों को जिक्र करते हुए वक्फ का मतलब समझाया। उन्होंने कहा कि वक्फ प्रॉपर्टी का इस्तेमाल केवल मुस्लिमों के कल्याण के लिए नहीं है। यह हर उस शख्स के लिए है जो गरीब है, निर्धन है, जिसे सहारे की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब मैं यूपी में मंत्री था, तो मैंने कुछ समय के लिए वक्फ विभाग संभाला था। हर समय मुझे ऐसे लोगों से मिलना पड़ता था, जिनके संपत्ति के मामले चल रहे थे।

वक्फ प्रॉपर्टी का सही उपयोग होना चाहिए

उन्होंने आग कहा-वक्फ प्रॉपर्टी लोगों के कल्याण के लिए थीं। लेकिन क्या लोगों का कल्याण हो रहा था? आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि पटना में कई वक्फ संपत्तियां हैं, लेकिन पटना में वक्फ के तहत कोई एक अस्पताल या अनाथालय का नाम बताइए? वहां केवल मामले दर्ज किए जा रहे हैं। इसलिए इसमें बहुत सुधार की जरूरत थी। और यह वक्फ संशोधन विधेयक इसी दिशा में एक कदम है जो जल्द ही कानून बनने जा रहा है।

लोकसभा और रायसभा से बिल पास

बता दें कि संसद के दोनों सदनों लोकसभा और रायसभा से वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को मंजूरी मिल चुकी है। अब राष्ट्रपति का हस्ताक्षर होते ही यह बिल कानून का रूप ले लेगा। दोनों सदनों में इस बिल पर लंबी चर्चा हुई। रायसभा में इस बिल के समर्थन में कुल 128 वोट पड़े जबकि विरोध में 95 वोट पड़े। वहीं इससे पहले लोकसभा में भी इस बिल पर लंबी चर्चा चली। लोकसभा में इस बिल के समर्थन में 288 वोट पड़े जबकि इसके विरोध में 232 वोट पड़े।

अल्पसंख्यकों के लिए भारत सबसे सुरक्षित-सरकार

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए दुनिया में भारत से सुरक्षित कोई स्थान नहीं है और इस देश के बहुसंख्यक लोग खुद को धर्मनिरपेक्ष मानते हैं। रिजिजू ने सरकार के इस कदम को मुस्लिम विरोधी बताने के कई विपक्षी सदस्यों के दावों को खारिज करते हुए कहा कि इस विधेयक को मुसलमानों को बांटने वाला बताया जा रहा है, जबकि सरकार इसके जरिए शिया, सुन्नी समेत समुदाय के सभी वर्गों को एक साथ ला रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार तो देश में सबसे छोटे अल्पसंख्यक समुदाय पारसी को भी बचाने के लिए प्रयास कर रही है।

एक साथ 15 नेताओं ने सीएम नीतीश कुमार की पार्टी छोड़ी

वक्फ कानून पर जदयू से गुस्से में मुसलमान

पटना, राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ वक्फ कानून 2025 लागू हो गया है, लेकिन इससे पहले लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक के जनता दल यूनाईटेड की ओर से समर्थन दिए जाने का असर लगातार सामने आ रहा है। वक्फ संसोधन विधेयक पर बिहार में सत्तारूढ़ जदयू के मुस्लिम नेताओं के इस्तीफे का सिलसिला जारी है। बिहार के अलग-अलग जिलों से रोज यह खबर निकल कर सामने आ रही है। इसी क्रम में आज मोतिहारी में एक साथ जदयू के 15 मुस्लिम नेताओं ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया है।

मुस्लिम बहुल इलाके ढाका से आई खबर

यह पूरा मामला पूर्वी चंपारण के मुस्लिम बहुल इलाका ढाका विधानसभा का है। जहां जदयू के 15 मुस्लिम नेताओं ने एक साथ इस्तीफा दे दिया है। इस दौरान इन नेताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ नारेबाजी भी की। इन

नेताओं का कहना था कि हमलोग नीतीश कुमार को मुसलमानों का हितैषी समझते थे, लेकिन उन्होंने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन कर मुसलमानों का भरोसा तोड़ दिया है। इस्तीफा देने वालों का नाम आगे पढ़ें-

1. गौहर आलम-प्रखंड अध्यक्ष युवा जदयू ढाका 2. मो. मुर्तुजा - कोषाध्यक्ष - नगर परिषद ढाका 3. मो0 शबीर आलम- प्रखण्ड उपाध्यक्ष युवा जदयू ढाका

4. मौसिम आलम- नगर अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ढाका

5. जफीर खान नगर सचिव ढाका

6. मो. आलम, नगर महासचिव ढाका

7. मो. तुरफैन प्रखंड महासचिव युवा जदयू ढाका

8. मो. मोतिन नगर उपाध्यक्ष ढाका

9. सुफैद अनवर, करमावा पंचायत युवा अध्यक्ष

.10. मुस्तफा कमाल (अफरोज) युवा प्रखंड. उपाध्यक्ष

11. फिरोज सिद्धीको प्रखंड सचिव युवा जदयू ढाका

12. सलाउद्दीन अंसारी - नगर महासचिव ढाका

13. सलीम अंसारी नगर महासचिव ढाका

14. एकरामुल हक, नगर सचिव ढाका

15. सगीर अहमद - नगर सचिव ढाका

15 में से एक को पार्टी ने माना अपना पदाधिकारी

जदयू के ढाका प्रखंड अध्यक्ष नेहाल अख्तर ने बताया कि इन सभी नेताओं में एक युवा अध्यक्ष को छोड़कर कोई भी नेता पार्टी का नहीं है।

केवल विपक्षियों के द्वारा जदयू को बदनाम करने के लिए इस तरह की साजिश रची जा रही है। अगर इन सभी नेताओं ने इस्तीफा दिया है तो अपनी प्राथमिक सदस्यता का प्रमाण दें।

रामनवमी में नाबालिग की सड़क हादसे में मौत

दोस्तों के साथ शोभायात्रा में हुआ था शामिल

वैशाली, वैशाली में रामनवमी जुलूस में शामिल होने गए एक किशोर की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। घटना हाजीपुर के नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गुदरी रोड स्थित थाना चौक के पास की है। मृतक की पहचान अनवरपुर चौक निवासी मनोज पासवान का पुत्र चींटी कुमार (14) के रूप में की गई है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि चींटी अपने साथियों के साथ रामनवमी के मौके पर निकलने वाली शोभायात्रा में शामिल होने गया था। देर शाम शोभायात्रा गुदरी रोड होते हुए थाना चौक पहुंची थी। इसी दौरान किशोर जुलूस में शामिल किसी वाहन के चपेट में आ गया। घटना के बाद जुलूस में अफरातफरी मच गई। मौके पर जुटे लोगों ने गंभीर रूप से घायल किशोर को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गये। सदर अस्पताल में डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

लोगों ने घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी। जानकारी मिलते ही परिजन भागे-भागे सदर अस्पताल पहुंचे। सदर अस्पताल में किशोर को मृत देख परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना के अपर थानाध्यक्ष संजय कुमार, एसआई संदीप कुमार पुलिस टीम के साथ सदर अस्पताल पहुंच कर कागजी कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। बताया गया कि मृतक तीन भाई में सबसे छोटा था। इस संबंध में अपर थानाध्यक्ष ने बताया कि रामनवमी के जुलूस में शामिल होने गए किशोर की किसी वाहन के चपेट में आने से मौत हो गई है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। इस मामले में परिजनों में किसी प्रकार का लिखित आवेदन नहीं दिया है। आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

मोहनपुर ग्रिड में लगी भीषण आग

दो घंटे तक बिजली रही ठप

रविवार शाम समस्तीपुर शहर से सटे मोहनपुर पावर ग्रिड में 33 केवी ट्रांसफॉर्मर में अचानक आग लग गई। हादसे के चलते ग्रिड परिसर में अफरातफरी मच गई और आसपास के इलाकों की बिजली आपूर्ति करीब दो घंटे तक बाधित रही। इस दौरान रामनवमी के अवसर पर उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रांसफॉर्मर में अचानक फॉल्ट आने से आग की लपटें उठने लगीं, जिससे ब्रेकर की सिटी फट गई। तत्काल मौके पर मौजूद बिजली कर्मियों ने फायरफाइटर उपकरण से आग बुझाने की कोशिश की,

लेकिन उपकरण ने काम नहीं किया। बाद में अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई।

फायर ऑफिसर सुरेंद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में दमकल टीम मौके पर पहुंची और पानी व पाउडर युक्त केमिकल से करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान मोहनपुर ग्रिड से जुड़े जितवारपुर पावर हाउस के कई फीडरों में बिजली आपूर्ति ठप रही।

बिजली बहाली में लगी टीम

ग्रिड के कार्यपालक अभियंता आनंद कुमार ने बताया कि शाम करीब छह बजे ट्रांसफॉर्मर में फॉल्ट के बाद आग लगी। कर्मियों ने पहले फायर इक्विपमेंट से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली, जिसके बाद दमकल विभाग को बुलाया गया। रात करीब 8:30 बजे तक अधिकतर क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई थी, हालांकि कुछ हिस्सों, जैसे मुजफ्फरपुर, में आपूर्ति बहाल करने के प्रयास अभी जारी हैं।

बिहार और इन 6 जिलों में आंधी को लेकर येलो अलर्ट

वज्रपात की भी चेतावनी; पटना में सताएगी गर्मी

पटना, बिहार की राजधानी पटना समेत कुछ अन्य जिलों में गर्मी का काफी असर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने बताया है कि पटना में अभी गर्मी का सितम जारी रहेगा। हालांकि, मौसम विभाग ने बताया है कि राय के छह जिलों में सोमवार को गरज-तड़क को लेकर चेतावनी जारी की गयी है। इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलेगी। हालांकि पटना में तपिश बढ़ी रहेगी। छह जिलों में आंधी- व्रजपात की चेतावनी दी गई। मौसम विभाग ने सोमवार को मधुबनी, किशनगंज, अररिया, पूर्णिया, कटिहार और सुपौल जिले के एक या दो स्थानों पर मेघगर्जन, वज्रपात और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

रविवार को इस सीजन में दूसरी बार प्रदेश का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा। पहले 27 मार्च को अधिकतम तापमान बक्सर में 41.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था। विभाग के अनुसार रविवार को प्रदेश के यादातर शहरों के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई

इस कारण विशेष कर दिन में लोगों को भीषण गर्मी का अहसास हुआ। प्रदेश का सबसे गर्म शहर 40.8 डिग्री सेल्सियस के साथ गोपालगंज और सबसे ठंडा शहर 16.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सीतामढ़ी का पुपरी रहा। पटना के अधिकतम तापमान में 0.2 और न्यूनतम में 0.1 डिग्री की बढ़ोतरी हुई।

मजार के पास मिला महिला का 20-25 दिन पुराना शव

बिहार के रोहतास जिले में रविवार को प्रसिद्ध चंदतन शहीद पहाड़ी से करीब 500 मीटर दूर एक महिला का कंकाल मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है। पहाड़ी क्षेत्र स्थित मजार के पास इस तरह की घटना ने स्थानीय लोगों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। दिल दहला देने वाली घटना सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि महिला की मौत हुए करीब 20 से 25 दिन बीत चुके थे। शरीर के सारे कपड़े सड़ चुके थे और सिर्फ हड्डियां बची थीं। स्थानीय लोगों ने जब कंकाल को देखा, तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची मुफस्सिल थाना की पुलिस ने कंकाल को कब्जे में ले लिया और

उसकी शिनाख्त में जुट गई।

मुफस्सिल थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि महिला की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच होगी। वह नीले रंग की सलवार-कमीज पहने हुई थी। अभी तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है और यह स्पष्ट नहीं है कि वह महिला पहाड़ी क्षेत्र में कैसे और कब पहुंची। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

पहाड़ी क्षेत्र अपराधियों का अड्डा, पहले भी हो चुकी हैं घटनाएं

स्थानीय लोगों का कहना है कि चंदतन शहीद पहाड़ी क्षेत्र अपराधियों के लिए सुरक्षित अड्डा बन गया है। इससे पहले भी इस पहाड़ी पर कई आपराधिक घटनाएं हो चुकी हैं। कुछ वर्षों पूर्व इसी इलाके में तीन लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया था। उस समय विरोध प्रदर्शन और जनाक्रोश भी देखने को मिला था। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की गश्ती व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए बताया कि चंदतन शहीद पहाड़ी क्षेत्र दो थाना क्षेत्रों (मुफस्सिल थाना और नगर थाना) सीमा पर स्थित है। इससे अपराधी इस क्षेत्र का फायदा उठाते हैं। सड़क के पूरब मुफस्सिल थाना क्षेत्र आता है, जबकि पश्चिम नगर थाना के अधीन है। यही कारण है कि पुलिस की नियमित गश्त नहीं हो पाती और अपराधी आसानी से घटनाओं को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं। महिला का कंकाल मिलने के बाद स्थानीय लोगों में भय व्याप्त है। लोगों ने प्रशासन से पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने, नियमित गश्त की व्यवस्था करने और पहाड़ी पर स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग की है।

उनका कहना है कि जब तक इस क्षेत्र में पुलिस की मजबूत उपस्थिति नहीं होगी, तब तक अपराध रुकने की उम्मीद नहीं की जा सकती। पुलिस भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए हर पहलू की जांच कर रही है। महिला की पहचान, उसकी मौत के पीछे की साजिश और उसके पहाड़ी क्षेत्र तक पहुंचने की कड़ी को जोड़ने की कोशिश की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।